अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर...

जीवन में योग का प्रयोग अति आवश्यक

सम्बोधित करते हुए दादी जानकी। साथ हैं ब्र.कु. भरत, डॉ. बनारसी लाल शाह, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. हंसा तथा अन्य ब्र.कु. भाई बहनें।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में **राजयोगिनी दादी जानकी** ने कहा कि मुझे खुशी है कि बाबा के महावाक्य साकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा था कि विश्व में राजयोग प्रचलित होगा, और राजयोग के माध्यम से सभी को सुस्वास्थ्य प्राप्त होगा। और अब वो दिन दूर नहीं जब भारत पुन: विश्व गुरू के रूप में प्रसिद्ध होगा। **राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी** ने कहा कि परमात्म स्मृति में स्थित होना ही योग है।

नगरपालिका के चेयरमैन **सुरेश सिंदल** ने कहा कि आज सारे विश्व में योग को प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहचान दिलाई, जो ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पिछले सात दशकों से की जा रही तपस्या का ही फल है।

आबूरोड यू.आई.टी. के चेयरमैन सुरेश कोठारी ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा योग को बढ़ावा देने हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

ब्र.कु. गीता ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री जी, हमारे देश की ही प्राचीन योग विद्या को विश्व व्यापी बना रहे हैं। तो हम सभी भारतवासियों का भी यही नैतिक फर्ज़ है कि हम योग को यथार्थ रूप से समझें, सीखें और नियमित रूप से हम योग का रोज़ अभ्यास करें और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनायें। **ब्र.कु. डॉ. प्रताप मिड्ढा** ने कहा कि योग केवल आसन मात्र नहीं, योग एक अनुशासन है। हम सभी योगी बनेंगे तो सच्चे मायने में निरोगी बन जायेंगे। ब्र.कु. डॉ. बनारसी ने भी अपने विचार रखे।

एकाग्रता के लिए सकारात्मकता को अपनाना ज़रूरी

रुहानी चमन के नन्हें पुष्प - बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का सफल आयोजन

बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन करते हुए डॉ. एम.पी. सिंह, ब्र.कु. विजया, डॉ. सीमा, ब्र.कु. मधु तथा सभा में प्रतिभागी बच्चे।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बाल व्यक्तित्व विकास के लिए त्रिदिवसीय 'रूहानी चमन के नन्हें पुष्प' विषयक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पुंज लॉयड के महाप्रबंधक व पूर्व मेजर जनरल **डॉ. एम.पी. सिंह** ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एकाग्रता बहुत ज़रूरी है और एकाग्रता के लिए विचारों का सकारात्मक होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कभी भी दूसरों से अपनी तुलना न करें क्योंकि कोई भी दो व्यक्ति, कभी एक समान हो ही नहीं सकते।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. विजया ने कहा कि अच्छे बच्चे कभी दूसरों की बुराई नहीं देखते बल्कि सभी को अपनी अच्छाइयों से प्रेरित करते हैं। अगर हमें कुछ जीवन में सीखना है तो मन को पूरी तरह से उस पर केंद्रित करना ज़रूरी है।

लुधियाना से आई **डॉ.सीमा** ने कहा कि एकाग्रता से हमारी ऊर्जा संगठित हो जाती है और हमें किसी भी कार्य में सहज ही सफलता प्राप्त होती है। राजयोग हमारी एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाता है।

ब्र.कु. मधु ने कहा कि भारत आज भी अपने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के कारण विश्व का सिरमौर है। और हम सबका ये दायित्व है कि उन मूल्यों को जागृत कर सबके आगे उदाहरण बनें।

इस दौरान बच्चों के समग्र विकास के लिए रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिस्पर्धाएं भी आयोजित की गईं, जिनका बच्चों ने भरपूर लाभ लिया।

शहर में 'स्वर्णिम युग के लिए वैश्विक जागृति' की लॉन्चिंग

चंण्डीगढ़। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा वर्ष 2018-19 की सेवाओं के वार्षिक विषय (थीम) 'स्वर्णिम युग के लिए वैश्विक जागृति' का टैगोर थियेटर में एक भव्य समारोह द्वारा शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर गुरूग्राम के **ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा** ने कहा कि आत्मा की विस्मृति के कारण ही विकार मनुष्य पर हावी हो जाते हैं और विकारों पर विजय ही आत्मिक जागृति है। उन्होंने कहा कि परमात्मा से हम तभी जुड़ सकते हैं जब हमारे सभी कर्मों में दैवी झलक हो और यह राजयोग द्वारा ही सम्भव है।

सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. आशा। मंचासीन हैं अतिथिगण एवं ब्र.कु. भाई बहनें।

मुख्य अतिथि जस्टिस श्रीमति दया चौधरी ने ब्रह्माकुमारी संस्था को नि:स्वार्थ सेवाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि आजकल टी.वी. चैनलों व समाचार पत्रों में ऐसी परिस्थितियां देखने में आती हैं कि मन को दु:ख लगता है कि क्या कभी यह समाज सुंदर व सतयुगी बन पाएगा। परंतु यहाँ आने पर लगता है कि राजयोग के द्वारा हम ऐसी संकल्पना को अवश्य साकार कर पायेंगे। **पूर्व केन्द्रीय मंत्री पवन कुमार बन्सल** ने क्रोध व अहंकार को इंसान का सबसे बड़ा शत्रु बताया, जिसे हम भगवान को अपने दिल में बिठा कर उनके ज्ञान से ही दूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे के बदलाव से पहले स्वयं का बदलाव ज़रूरी है। साथ ही **डी. क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी मुनीष कपूर** ने भी अपने कथन में कहा कि हमें अपने कर्मों में दिव्यता लाने की आवश्यकता है। आरंभ में **ब्र.कु. अनीता** ने संस्था का परिचय देते हुए इसकी गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। **ब्र.कु. अमीर चन्द** ने मेहमानों का परिचय देते हुए कहा कि हम आत्म जागृति से ही विश्व जागृति की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

सभी मेहमानों द्वारा दीप प्रज्वलित कर 'स्वर्णिम युग के लिए वैश्विक जागृति' थीम को लॉन्च किया गया। इस दौरान नन्हीं कुमारियों वेधा, कलश व पलक ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया और जय गोपाल लूथरा ने मनमोहक गीत गाया।

इस अवसर पर आई.ए.एस. अनुराग अग्रवाल, आनंदिता मिश्रा समेत कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके साथ ही ब्र.कु. कविता ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई।

परमात्म ज्ञान की रोशनी फैलाना ही सेवा - दादी

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ समाज सेवा प्रभाग द्वारा 'समाज, आध्यात्मिकता एवं दिव्यता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए **संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी** ने कहा कि परमात्म ज्ञान की रोशनी से अंधकार स्वत: ही मिट जाता है और हम श्रेष्ठ भाग्य का निर्माण करने में सक्षम हो जाते हैं। जीवन में ट्रस्टी होकर जीना सीख जाते हैं। जिससे मैं और मेरेपन के भाव से मुक्त रहकर सुख और शांति से जीवन जीने की कला आ जाती है। इसके लिए पाँच बातों को सदा अपने जीवन में स्थान दें - सत्यता, पवित्रता, धैर्यता, गंभीरता और नम्रता।

परविंदर सिंह भाटिया, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर,लायंस इंटरनेशनल,इंदौर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था ने नारी शक्ति का मान सम्मान पूरे समाज में ऊँचा उठा दिया है। 102 वर्ष की आयु में भी इस संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जिस प्रकार विश्व सेवा में सक्रिय हैं वह अद्भुत व अकल्पनीय है। यह उनके दृढ़ निश्चय व मानसिक दृढ़ता को प्रतिबिम्बित करता है। ऐसी योगशक्ति दादी जानकी को मैं नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि इस परिसर में जिस तरह पेड़ पौधों को बचाया गया है, उससे पर्यावरण के लिए इस संस्था की संवेदनशीलता प्रकट होती है।

दादी जानकी के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए गणमान्य अतिथि एवं वरिष्ठ ब्र.कु. भाई बहनें।

मिलकर समाज को सुसंस्कारित व बेहतर बनाने का प्रयास करेंगी।

आत्मा को स्वच्छ व सुंदर बनाने का ज्ञान यहाँ

मनन चतुर्वेदी, अध्यक्षा, राज्य बाल अधिकार सरंक्षण आयोग ने कहा कि आत्मा का अध्ययन ही अध्यात्म है। स्वयं के बारे में चिन्तन करना मनन करना। जब हम खुद को ही समझने के लिए समय नहीं देते या हम आत्मा को स्वच्छ करने का प्रयास नहीं करते, तो जीवन में असमंजस व समस्याओं की स्थिति आ जाती है। खुद से खुद मिलेंगे तो खुदाई मिल जायेगी। यहां हमें आत्मा को स्वच्छ व सुंदर बनाने का ज्ञान दिया जा रहा है। धैर्यता व सहजता से ध्यान को जीवन में अपनायें तो धीरे-धीरे तनाव व कुंठा समाप्त होती जाएगी। हम दूसरों से बदलाव की उम्मीद रखते हैं, अगर हम खुद में ही थोड़ा सा भी बदलाव ले आएं तो जीवन श्रेष्ठ बन जाए। हमने अपने अंदर के द्वार बंद कर दिये हैं, अभी एक खुले प्रकाश व शुद्ध प्रवाह की आवश्कता है जो हमें यहाँ से मिल रही है।

शिकागो के अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी ब्रह्माकुमारी बहन ने सारे विश्व के प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया, जो हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है। हम सभी सामाजिक संस्थाएं ब्रह्माकुमारी संस्था के साथ आज हमें ऐसी आध्यात्मिक ऊर्जा वाली माताओं की ज़रूरत है जो नई पीढ़ी को दिव्य व विवेकवान बनाएं।

प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. संतोष ने कहा कि अपने सत्य स्वरूप की विस्मृति के कारण ही आज मानव में मैं-पन आ गया है। यह मैं-पन का अभिमान ही दु:ख का कारण है। परमात्मा शिव आकर हमें दिव्य बुद्धि प्रदान कर हमें अपने आत्म-स्वरूप का बोध कराते हैं। जिससे हमें पता चलता है कि जितनी हमारे संकल्पों में सकारात्मकता होगी उतना ही हमारे बोल व कर्म श्रेष्ठ होंगे।

प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. अमीरचंद ने कहा कि जब हम 102 साल की हमारी दादी जानकी से पूछते हैं कि दादी आप इतनी सेवा कैसे कर लेती हैं? तो दादी का उत्तर होता है कि ईश्वरीय शक्ति, सकारात्मकता, सबकी दुआएं मुझे सेवा के लिए तत्पर रखती हैं। हमारा समाज दिव्य था जिसे सतयुग कहते हैं, जिनकी यादगार देवी-देवताओं की मूर्तियां मंदिरों में दिखती हैं। निराकार परमात्मा सतयुगी दुनिया के निर्माण का कार्य कर रहे हैं।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. प्रेम,गुलबर्गा ने कहा कि समाज सेवा में आध्यात्मिकता का समावेश आवश्यक है। सच्ची सेवा यही है कि समाज का हर मानव चरित्रवान बन जाए। यह सम्भव है आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग के अभ्यास से। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.अवतार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd july 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।